>

Title : Regarding strengthening of coastal security from Gorai to Manori in North Mumbai, Maharashtra.

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): सभापति महोदया, आज 25 तारीख है और आज से एक साल पहले 26 तारीख को मुम्बई में एक भयावह आतंकवादी हमला हुआ था। सबसे पहले मैं उस दिन को याद करता हूँ और उस हमले में जिन नागरिकों की जान गई, उनके प्रति मैं श्रद्धांजलि प्रकट करता हूँ।

18.47 hrs. (Shri Arjun Charan Sethi *in the Chair*)

उस हमले में लोगों की रक्षा करते हुए और लोगों को बचाते हुए हमारे पुलिस के जिन साथियों की जान गई, उन शहीदों को मैं याद करता हूँ, एनएसजी के जवानों को मैं याद करता हूँ। मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि 26/11 की पहली बरसी कल हो रही है। उस बरसी के मौके पर मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए बताना चाहता हूँ कि पिछले एक वर्ष में कोई शक नहीं है कि हमारे गृह मंत्री श्री पी.िचदम्बरम जी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा और मज़बूत करने के लिए जो इंटैलिजैन्स एजेन्सीज़ हैं, उनको और सक्षम बनाने के लिए अच्छे ढंग से काम हो रहा है, लेकिन बहुत सारे मोर्चों पर अभी भी कमी है। दो कमियों की तरफ मैं ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, विशेषकर मुम्बई के उत्तरी क्षेत्र, जिसको हम उत्तर मुम्बई कहते हैं, ऐसे उत्तर मुम्बई क्षेत्र में कोस्टल सिक्यूरिटी के क्षेत्र में अभी भी सरकार बेहतर ढंग से काम नहीं कर पा रही है। हमारे समुद्री किनारे अभी भी असुरक्षित हैं। विशेषकर उत्तर मुम्बई में ठाणे डिस्ट्रिक्ट जहां खत्म होता है और मुम्बई शुरू होती है, वहाँ गोरई से लेकर मनोरी के बीच लगभग 12 किलोमीटर कोस्टल लाइन ऐसी है, जो पूरी तरह से असुरक्षित है, अनप्रोटैक्टेड है। एक भी चैकपोस्ट वहां नहीं लगाया गया है, कोई फैन्सिंग नहीं है, कोई लाइटिंग नहीं है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : निरुपम जी, क्या करना है, वह बोलिये।

श्री संजय निरुपम : मैं सरकार से और गृह मंत्रालय से मांग करता हूँ कि जितना जल्दी हो, उस कोस्टल लाइन के ऊपर कोस्ट गार्ड के चैकपोस्ट लगाए जाएँ। वहाँ पर लाइटिंग और फैन्सिंग का इंतज़ाम किया जाए क्योंकि यह वही रूट है जिस रूट के ज़रिये 26.11.2008 को आतंकवादी पाकिस्तान से कराची और गुजरात होते हुए ताज होटल और दक्षिण मुम्बई के उस छोर तक पहुँचे थे। तो पहली मांग मेरी यह है कि जितना जल्दी हो, उत्तर मुम्बई के इस कोस्टलाइन पर सुरक्षा स्थापित की जाए।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि महाराष्ट्र गवर्नमैंट की तरफ से लगातार गृह मंत्रालय के पास चिट्ठियाँ भेजी जा रही हैं कि कोस्टल सिक्यूरिटी को मज़बूत करने के लिए हमें आर्थिक मदद करें। हमें वहां पर मुम्बई और उसके आस-पास के कोस्टल एरिया में लगभग 12 मैरीन पुलिस स्टेशन बनाने हैं, 24 बैरक्स बनाने हैं, 27 चैकपोस्ट बनाने हैं। इसमें कार्ड रीडिंग के लिए कंप्यूटर और अन्य इक्विपमैंट के लिए चार-साढ़े चार करोड़ रुपये की डिमांड है।

महोदय, हमने बार-बार चिट्ठियां लिखी हैं। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए निवेदन करना चाहता हूं कि जितनी जल्दी हो महाराष्ट्र सरकार को आर्थिक सहायता दे, ताकि भविष्य में मुम्बई में या पूरे हिन्दुस्तान में 26/11 जैसी कोई घटना न घटे और कोई आतंकवादी हिन्दुस्तान की सरहद में घुसने की हिम्मत न करे। समय देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।